साझी संस्कृतियों से ही हम एक राष्ट्र के रूप में हो सकते है मजबूत

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

चित्तौड़गढ़. साझी संस्कृतियों से ही हम एक राष्ट्र के रूप में मजबूत हो सकते है। यह राष्ट्रीय एकता शिविर मुझे यह उम्मीद दिलाता है कि भारत का भविष्य सुन्दर है। यह बात मेवाड़ विश्वविद्यालय में युवा कार्यक्रम एवं खेल मन्त्रालय भारत सरकार तथा क्षेत्रीय निदेषालय राष्ट्रीय सेवा योजना, जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित सात दिवस राष्ट्रीय एकता शिविर के समापन सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय महिला आयोग अध्यक्ष रेखा शर्मा ने कही। उन्होने कहा कि जब तक अपने रहन-सहन, खान-पान व विचारों का आदान-प्रदान नहीं करेंगे, तब तक हम राष्ट्र के रूप में हम दुनिया के सामने अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज नहीं कर सकते। विषिष्ट अतिथि पूर्व एनएसएस डायरेक्टर और आईपीएस अधिकारी वीरेन्द्र मिश्रा ने देशभर के वॉलन्टियर्स को कहा कि

हमने वॉलन्टियरशिप का असल मतलब जानना होगा। सेवा किसी की मदद का अहंकार नहीं बल्कि मदद करके उनसे सीखने का नाम हैं। अध्यक्षता करते हुऐ मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने कहा कि मानव समाज की सेवा ही संसार की सेवा हैं। इस संसार में क्या कुछ नहीं हो सकता, बस हमें विचार बदलने की आवश्यकता हैं। इस दौरान राजस्थान के राष्ट्रीय योजना कार्यक्र म अधिकारी डॉ. रूचि मिश्रा ने सभी वालेन्टियर्स को एनएसएस ओरियेन्टेशन प्रोग्राम के तहत प्रशिक्षण दिया। प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ला ने स्वागत भाषण दिया। राष्ट्रीय एकता शिविर की सम्पूर्ण रिपोर्ट राष्ट्रीय सेवा योजना जयपुर के क्षेत्रीय निदेषक एस.पी. भटनागर ने प्रस्तुत की। समापन समारोह में देशभर के विभिन्न राज्यों से आये राष्ट्रीय योजना के कार्यक्रम अधिकारियें, मेवाड़ विश्वविद्यालय के शिविर आयोजन समिति के सदस्यों एवं वॉलन्टियर्स को स्मृति चिन्ह, शॉल, प्रषस्ति पत्र एवं लैपटॉप बैग भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही इन सात दिनों में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं क्विज में प्रतिभाग करने वाले विजेता एनएसएस वालंटियर्स को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके अलावा नृत्य, काव्य पाठ एवं नाटक के माध्यम से विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया। संचालन डॉ रूचि मिश्रा किया तथा धन्यवाद डॉ. ज्योति राघव ने जताया।

नहीं पहुंचे करल्ला

समापन समारोह के मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी.कल्ला थे। इस कार्यक्रम के चलते वे जयपुर से शुक्रवार सुबह ही यहां पर पहुंच गए, लेकिन सर्किट हाऊस में आने के बाद उन्होंने मेवाड़ विश्वविद्यालय में जाने का कार्यक्रम निरस्त कर दिया।

Rajasthan Patrika 28-05-2022

थिरकी : आयोग अध्यक्ष

चित्तौड़गढ़.गंगरार स्थित मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित एक समारोह में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय महिला आयोग अध्यक्ष डॉ रेखा शर्मा घूमर पर नृत्य कर छात्राओं को देख अपने आप को नहीं रोक सकी और वे भी मंच पर उनके साथ नृत्य करने पहुंच गई। फोटो नगेन्द्र मौड

Rajasthan Patrika 28-05-2022

'सांझी संस्कृतियों से ही राष्ट्र की मजबूती संभव'

चित्तौड़गढ़ (प्रातःकाल संवाददाता)। सांझी संस्कृतियों से ही हम एक राष्ट्र के रूप में मजबूत हो सकते है। यह राष्ट्रीय एकता शिविर मुझे यह उम्मीद दिलाता है कि भारत का भविष्य अतीव सुन्दर है। उक्त बातें मेवाड़ विश्वविद्यालय में युवा कार्यक्रम एवं खेल मन्त्रालय भारत सरकार तथा क्षेत्रीय निदेशालय राष्ट्रीय सेवा योजना, जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित सात दिवस राष्ट्रीय एकता शिविर के अन्तिम दिन समापन सत्र में देशभर के एनएसएस वालन्टियर्स को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय महिला आयोग, अध्यक्ष रेखा शर्मा ने कही। बतौर विशिष्ट अतिथि पूर्व एनएसएस डायरेक्टर और आईपीएस अधिकारी वीरेन्द्र मिश्रा ने देशभर के वॉलन्टियर्स को कहा कि हमें वालन्टियरशिप का असल मतलब जानना होगा। वॉलन्टियरशिप का मतलब किसी की मदद का अहंकार नहीं बल्कि मदद करके उनसे सीखने का नाम है। अध्यक्षता करते हुऐ मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने कहा कि मानव समाज की सेवा ही संसार की सेवा है। इस दौरान राजस्थान के राष्ट्रीय योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रूचि मिश्रा ने सभी वालेन्टियर्स को एनएसएस ओरियेन्टेशन प्रोग्राम के तहत प्रशिक्षण दिया। परिचय एवं स्वागत भाषण प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ला ने दिया। राष्ट्रीय एकता शिविर की सम्पूर्ण रिपोर्ट राष्ट्रीय सेवा योजना जयपुर के क्षेत्रीय निदेशक एस.पी. भटनागर ने प्रस्तुत की। समापन समारोह में देशभर के विभिन्न राज्यों से आये राष्ट्रीय योजना के कार्यक्रम अधिकारियों, मेवाड़ विश्वविद्यालय के शिविर आयोजन समिति के सदस्यों एवं वॉलन्टियर्स को स्मृति चिन्ह, शॉल, प्रशस्ति पत्र एवं लैपटॉप बैग भेंट कर सम्मानित किया गया।

एनएसएस शिविर के समापन पर मंचासीन अतिथि।

साथ ही इन सात दिनों में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं क्विज में प्रतिभागिता करने वाले विजेता एनएसएस वालंटियर्स को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। संचालन एनएसएस वॉलन्टियर्स एवं राजस्थान की एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ रूचि मिश्रा तथा धन्यवाद ज्ञापन मेवाड़ विश्वविद्यालय की एनएसएस समन्वयक डॉ. ज्योति राघव ने किया। इस अवसर पर एनएसएस जयपुर के कैम्प कमाण्डर श्रवण कटारिया, कैम्प समन्वयक सौरभ शुक्ला सहित आयोजन समिति के सदस्य एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कश्मीर प्रेम कथा पर आधारित नाटक 'हब्बाखातून' का मंचन

मेवाड़ विश्वविद्यालय में मशहूर इप्टा आर्टिस्ट काजल सूरी के निर्देशन में कश्मीर की प्रेम कथा पर आधारित नाटक 'हब्बा खातून' का मंचन किया गया। इस कहानी की रचना और पटकथा काजल सूरी ने की है। गौरतलब है कि रूबरू थियेटर काजल सूरी के निर्देशन में विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक और परम्परागत नाटकों का मंचन पूरे देश में करता रहा है। मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने काजल सूरी और उनकी पूरी टीम का स्वागत पगड़ी और स्मृति चिन्ह भेंटकर किया। उ इस अवसर पर मेवाड़ इन्स्टीट्यूट गाजियाबाद की निदेशक डॉ. अलका अग्रवाल, प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ला, संयुक्त कुलसचिव एल.एस. रावत, उपकुलपति दीप्ती शास्त्री, डीन एकेडमिक्स डी.के. शर्मा, प्लेसमेन्ट निदेशक हरीश गुरनानी, कार्यक्रम समन्वयक डॉ. ईसार अहमद सहित उनकी टीम सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

Jannayak 28-05-2022

मेवाड़ विश्वविद्यालय में सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर संपन्न

साझी संस्कृतियों से ही हम हो सकते हैं मजबूतः शर्मा

गंगरार, 27 मई (जसं.)। सांझी संस्कृतियों से ही हम एक राष्ट्र के रुप में मजबूत हो सकते है। यह राष्ट्रीय एकता शिविर मुझे यह उम्मीद दिलाता है कि भारत का भविष्य अतिसुन्दर है।

यह बात मेवाड़ विश्वविद्यालय में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार तथा क्षेत्रीय निदेशालय राष्ट्रीय सेवा योजना जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित सात दिवस राष्ट्रीय एकता शिविर के अन्तिम दिन समापन सत्र में देशभर के एनएसएस वालन्टियर्स को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय महिला आयोग नई दिल्ली की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने कही। उन्होंन कहा कि जब तक अपने रहन-सहन, खान-पान व विचारों का आदान-प्रदान नहीं करेंगे, तब तक हम राष्ट्र के रुप में हम दुनिया के सामने अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति

दर्ज नहीं कर सकते।

समापन समारोह के विशिष्ट अतिथि पूर्व एनएसएस डायरेक्टर और आईपीएस अधिकारी वीरेन्द्र मिश्रा ने देशभर के वॉलन्टियर्स को कहा कि हमने वालन्टियर शिप का असल मतलब जानना होगा। वॉलन्टियरशिप का मतलब किसी की मदद का अहंकार नहीं बल्कि मदद करके उनसे सीखने का नाम है। उन्होंने सेवा भावना के विभिन्न आयामों पर चर्चा करते हुए कहा कि पर्यावरण को समृद्ध करने के लिये पौधारोपण करना भी राष्ट्र सेवा है। मीनिंगफुल और माइण्डफुल का सूत्र देते हुए उन्होंने कहा कि इन बातों का ध्यान रखकर हम राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने स्वामी विवेकानन्द की उक्ति का उदारहण देते हुए कहा कि मानव समाज की सेवा ही संसार की सेवा है। इस संसार में क्या कुछ नहीं हो सकता, बस हमें विचार बदलने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सफलता चाहने से नहीं मिलती, उसको हासिल करना पड़ता है।

इस दौरान राजस्थान के राष्ट्रीय योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रूचि मिश्रा ने सभी वालेन्टियर्स को एनएसएस ऑरियेन्टेशन प्रोग्राम के तहत प्रशिक्षण दिया। परिचय एवं स्वागत भाषण प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ला ने दिया। राष्ट्रीय एकता शिविर की सम्पूर्ण रिपोर्ट राष्ट्रीय सेवा योजना जयपुर के क्षेत्रीय निदेशक एसपी भटनागर ने प्रस्तुत की। समापन समारोह में देशभर के विभिन्न राज्यों से आये राष्ट्रीय योजना के कार्यक्रम अधिकारियों, आयोजन समिति के सदस्यों, वॉलन्टियर्स को स्मृति चिन्ह, शॉल, प्रशस्ति पत्र एवं लैपटॉप बैग भेंट कर सम्मानित किया गया।

इसके साथ ही इन सात दिनों में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं क्विज में प्रतिभाग करने वाले विजेता एनएसएस वालंटियर्स को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। संचालन एनएसएस वॉलन्टियर्स एवं राजस्थान की एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रूचि मिश्रा तथा धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय की एनएसएस समन्वयक डॉ. ज्योति राघव ने किया।

Pratahkal 28-05-2022